

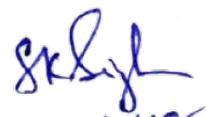
वन भूमि की मांग न्यूनतम हाने सम्बन्धी प्रमाण प्रत्र

प्रमाणित किया जाता है कि पावर ग्रिड कॉरपोरेशन ऑफ इण्डिया लिंग (भारत सरकार का उद्यम) द्वारा प्रस्तावित 765 केमी² डबल सर्किट उरई से अलीगढ़ पार्ट-4 पैकेज टीर्ड-09 परेषण प्रणाली के निर्माण हेतु अलीगढ़ वन प्रभाग की 1-आगरा-अलीगढ़ मार्ग (एस0 एच0 509) के किमी 164-165 के मध्य क्षेत्रफल 0.1340 है, 2. आगरा-मथुरा मार्ग (एस0 एच0 80) के किमी 12-13 के मध्य क्षेत्रफल 0.1340 है, गौमत-बाजना मार्ग के किमी 3-4 के मध्य क्षेत्रफल 0.1740 है, एवं गंगा कैनाल (निचली माट शाखा) के किमी 3-4 के मध्य क्षेत्रफल 0.2175 है, कुल 0.6595 है संरक्षित वनभूमि, गैर वानिकी कार्य के लिये प्रयोग की जायेगी।

तथा

हाथरस वन प्रभाग की 1-पीलीभीत-भरतपुर मार्ग(एस0एच0-33) के भाग सिकन्दरराव-मथुरा के किमी 196-197 एवं 2-नहर इटावा स्टम्प ग्राम बावस सप्लाई चैनल के किमी 15.500 की प्रभावित कुल 1.0082 है संरक्षित वनभूमि गैर वानिकी कार्य के लिये प्रयोग की जायेगी।

अतः उक्त परियोजना के निर्माण में गैर वानिकी उपयोग हेतु प्रस्तावित कुल 1.6677 हेक्टेयर संरक्षित वनभूमि (हाथरस-1.0082 हे.+अलीगढ़-0.6595 हे.) की मांग न्यूनतम है एवम प्रस्तावित संरक्षित वन भूमि के अतिरिक्त अन्य कोई विकल्प नहीं है।


18/11/18

S. K. Singh
D.G.M.
Powergrid, Aligarh